
shrI vyADeshvara AratI

श्रीव्याडेश्वर आरती

Document Information

Text title : shrI vyADeshvara AratI

File name : vyADeshvaraAratI.itx

Category : shiva, AratI

Location : doc_shiva

Author : Girish Sudheer Modak gsmodak at yahoo.com

Transliterated by : NA

Proofread by : NA

Latest update : April 13, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om


This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

April 14, 2024

sanskritdocuments.org

——
श्रीव्याडेश्वर आरती



भार्गवनिर्मित पावन अपरांत भूमी ।
त्यामाजी अवतरला जगताचा स्वामी ।
व्याडी स्थापित लिंगे गुप्तचि राहिला ।
शरणागत जे भाविक तारित त्यां सकळा ॥ १ ॥

जयदेव जयदेव श्री व्याडेश्वरा ।
प्रणिपात साष्टांग तुज गंगाधरा । जयदेव जयदेव ॥ धृ॥

अंबामाता आणिक शोभे गणपती ।
गरुडासह मारूती नंदी तो पुढती ।
श्रीपती लक्ष्मी सूर्य भवती बैसले ।
पंचायतन रूपे मंदिर शोभले ॥ २ ॥

जयदेव जयदेव श्री व्याडेश्वरा ।
प्रणिपात साष्टांग तुज गंगाधरा । जयदेव जयदेव ॥ धृ॥

सात्विक तो गाभारा पिंडी तव त्यात ।
सप्त वदनी फणिधर धरतो वरि छत्र ।
संतत धार धराया अभिषेक पात्र ।
ध्यानचि सुंदर दिसले गिरीशा सुपात्र ॥ ३ ॥

जयदेव जयदेव श्री व्याडेश्वरा ।
प्रणिपात साष्टांग तुज गंगाधरा । जयदेव जयदेव ॥ धृ॥

ॐ श्रीव्याडेश्वराय नमः ।

shrI vyADeshvara Arati

pdf was typeset on April 14, 2024

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

